AVAADA
FOUNDATION

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

अवादा समर कैंप संपन्न, ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा ने मोहा दिल

जक्खिनी/वाराणसी। अवादा फाउंडेशन द्वारा चिचलिक और बसुहारी गांवों में 15 दिवसीय समर कैंप रविवार को पूरे आनंद संग संपन्न हुआ। 'बालक से वीर बालक' और 'संस्कृति से समृद्धि' थीम पर आधारित यह कैंप में ग्रामीण बच्चों का सर्वांगीण विकास हुआ। चिचलिक में यह शिविर 3 मई से 14 जून तक, जबकि बसुहारी में 4 जून से 15 जून तक समर कैंप लगा। दोनों कैंप में 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने योग, ध्यान, चित्रकला, हस्तशिल्प, खेलकूद, नृत्य, गीत, अभिनय और समूह गतिविधियों के माध्यम से अपने भीतर छिपी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को उजागर किया। कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्म-अनुशासन, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। आवादा फाउंडेशन की निदेशक ऋतू पटवारी की सोच ने इस आयोजन को न सिर्फ एक रचनात्मक कार्यक्रम, बल्कि बच्चों के जीवन में बदलाव लाने वाली पहल बना दिया। निदेशक ऋतू पटवारी ने इस अवसर पर कहाकि ग्रामीण भारत की नई पीढ़ी में असीम ऊर्जा है। अगर हम उन्हें सही अवसर और मंच दें, तो वे पूरे समाज में बदलाव के वाहक बन सकते है।

AVAADA
FOUNDATION

दैनिक
समाज जागरण
दैनिक हिन्दी समाचार
समाज जागरण
RNI NO. UPHIN/2021/84200

अवादा समर कैंप हुआ संपन्न, ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा ने मोहा दिल

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।। आवादा फाउंडेशन द्वारा चिचलिक और बसुहारी गांवों में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप आज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ । ह्यबालक से वीर बालकह्ल और ह्यसंस्कृति से समृद्धिह्ल थीम पर आधारित यह शिविर ग्रामीण बच्चों के सर्वांगीण विकास की एक सशक्त पहल साबित हुआ।

चिचलिक में यह शिविर 3 मई से 14 जून तक, जबकि बसुहारी में 4 जून से 15 जून तक समर कैंप का आयोजन हुआ। दोनों शिविरों में कुल मिलाकर 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने योग, ध्यान, चित्रकला, हस्तशिल्प, खेलकूद, नृत्य, गीत, अभिनय और समूह गतिविधियों के माध्यम से अपने भीतर छिपी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को उजागर किया।

कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्म-अनुशासन, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। हर दिन कुछ नया सीखने की उत्सुकता और सहभागिता ने इन गांवों में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। कैंप की प्रेरणा रहीं आवादा फाउंडेशन की निदेशक ऋतू पटवारी, जिनकी सोच ने इस आयोजन को न सिर्फ एक रचनात्मक कार्यक्रम, बल्कि बच्चों के जीवन में बदलाव लाने वाली पहल बना दिया।

निदेशक ऋतू पटवारी ने कहा, ह्यग्रामीण भारत की नई पीढ़ी में असीम ऊर्जा है। अगर हम उन्हें सही अवसर और मंच दें, तो वे पूरे समाज में बदलाव के वाहक बन सकते हैं। यह समर कैंप बच्चों की प्रतिभा और उनके आत्मविश्वास को निखारने का माध्यम बना।ह्लसमर कैंप के समापन पर दोनों गांवों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें बच्चों ने गीत, नाटक, लोकनृत्य और समूह प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अभिभावकों, स्थानीय शिक्षकों और पंचायत प्रतिनिधियों ने शिविर की प्रशंसा करते हुए इसे गांव के बच्चों के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया।एक स्थानीय अभिभावक ने भावुक होते हुए कहा ऋतु मैम ने जो सपना देखा था, वह इन बच्चों की मुस्कान में साकार होता दिखा। गांव के बच्चों को ऐसा मंच पहली बार मिला है। इस समर कैंप ने साबित किया कि जब ग्रामीण बच्चों को अवसर, मार्गदर्शन और मंच मिलता है, तो वे किसी से कम नहीं। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए एक सीखने और खिलने का अवसर बना, बल्कि अवादा फाउंडेशन की जनकल्याणकारी सोच को भी ग्रामीण भारत के दिलों तक पहुंचाने में सफल रहा।

AVAADA
FOUNDATION

जनसंदेश टाइम्स

कैंप में ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा ने मोहा मन

समर कैंप

अवादा फाउंडेशन के समर कैंप में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर

सोनभद्र। अवादा फाउंडेशन द्वारा चिचलिक और बसुहारी गांवों में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप आज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ । बालक से वीर बालक और संस्कृति से समृद्धि थीम पर आधारित यह शिविर ग्रामीण बच्चों के सर्वांगीण विकास की एक सशक्त पहल साबित हुआ। चिचलिक में यह शिविर 3 मई से 14 जून तक, जबकि बसुहारी में 4 जून से 15 जून तक समर कैंप का आयोजन हुआ। दोनों शिविरों में कुल मिलाकर 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया।

बच्चों ने योग, ध्यान, चित्रकला, हस्तशिल्प, खेलकूद, नृत्य, गीत, अभिनय और समूह गतिविधियों के माध्यम से अपने भीतर छिपी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को उजागर किया। कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्म-अनुशासन, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। हर दिन कुछ नया सीखने की उत्सुकता और सहभागिता ने इन गांवों में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। कैंप की प्रेरणा रहीं। अवादा फाउंडेशन की निदेशक ऋतू पटवारी, जिनकी सोच ने इस आयोजन को न सिर्फ एक रचनात्मक कार्यक्रम, बल्कि बच्चों के जीवन में

अवादा फाउंडेशन द्वारा आयोजित कैंप में शामिल बच्चे

बदलाव लाने वाली पहल बना दिया। निदेशक ऋतू पटवारी ने कहा, ग्रामीण भारत की नई पीढ़ी में असीम ऊर्जा है। अगर हम उन्हें सही अवसर और मंच दें, तो वे पूरे समाज में बदलाव के वाहक बन सकते हैं। यह समर कैंप बच्चों की प्रतिभा और उनके आत्मविश्वास को निखारने का माध्यम बना।

समर कैंप के समापन पर दोनों गांवों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें बच्चों ने गीत, नाटक, लोकनृत्य और समूह प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अभिभावकों, स्थानीय शिक्षकों और पंचायत प्रतिनिधियों ने शिविर की प्रशंसा करते हुए इसे गांव के बच्चों के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया।एक स्थानीय अभिभावक ने भावुक होते हुए कहा ऋतु मैम ने जो सपना देखा था, वह इन बच्चों की मुस्कान में साकार होता दिखा। गांव के बच्चों को ऐसा मंच पहली बार मिला है। इस समर कैंप ने साबित किया कि जब ग्रामीण बच्चों को अवसर, मार्गदर्शन और मंच मिलता है, तो वे किसी से कम नहीं। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए एक सीखने और खिलने का अवसर बना, बल्कि अवादा फाउंडेशन की जनकल्याणकारी सोच को भी ग्रामीण भारत के दिलों तक पहुंचाने में सफल रहा।

AVAADA
FOUNDATION

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

बहुजन समय

अवादा समर कैंप हुआ संपन्न ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा ने मोहा दिल

वाराणसी अवादा फाउंडेशन द्वारा चिचलिक और बसुहारी गांवों में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप आज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। बालक से वीर बालक और संस्कृति से समृद्धि थीम पर आधारित यह शिविर ग्रामीण बच्चों के सर्वांगीण विकास की एक सशक्त पहल साबित हुआ।चिचलिक में यह शिविर 3 मई से 14 जून तक जबकि बसुहारी में 4 जून से 15 जून तक समर कैंप का आयोजन हुआ। दोनों शिविरों में कुल मिलाकर 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने योग ध्यान चित्रकला हस्तशिल्प खेलकूद नृत्य गीत अभिनय और समूह गतिविधियों के माध्यम से अपने भीतर छिपी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को उजागर किया।कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्म अनुशासन रचनात्मकता नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। हर दिन कुछ नया सीखने की उत्सुकता और सहभागिता ने इन गांवों में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। कैंप की प्रेरणा रहीं आवादा फाउंडेशन की निदेशक ऋतू पटवारी जिनकी सोच ने इस आयोजन को न सिर्फ एक रचनात्मक कार्यक्रम बल्कि बच्चों के जीवन में बदलाव लाने वाली पहल बना दिया।निदेशक ऋतू पटवारी ने कहाग्रामीण भारत की नई पीढ़ी में असीम ऊर्जा है। अगर हम उन्हें सही अवसर और मंच दें तो वे पूरे समाज में बदलाव के वाहक बन सकते हैं। यह समर कैंप बच्चों की प्रतिभा और उनके आत्मविश्वास को निखारने का माध्यम बना। समर कैंप के समापन पर दोनों गांवों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें बच्चों ने गीत नाटक लोकनृत्य और समूह प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।अभिभावकों स्थानीय शिक्षकों और पंचायत प्रतिनिधियों ने शिविर की प्रशंसा करते हुए इसे गांव के बच्चों के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया।एक स्थानीय अभिभावक ने भावुक होते हुए कहा ऋतु मैम ने जो सपना देखा था वह इन बच्चों की मुस्कान में साकार होता दिखा। गांव के बच्चों को ऐसा मंच पहली बार मिला है।इस समर कैंप ने साबित किया कि जब ग्रामीण बच्चों को अवसर मार्गदर्शन और मंच मिलता है तो वे किसी से कम नहीं। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए एक सीखने और खिलने का अवसर बना बल्कि अवादा फाउंडेशन की जनकल्याणकारी सोच को भी ग्रामीण भारत के दिलों तक पहुंचाने में सफल रहा।

AVAADA
FOUNDATION

दैनिक
न्यायिक भारत

अवादा समर कैंप हुआ संपन्न ग्रामीण बच्चों की प्रतिभा ने मोहा दिल

वाराणसी अवादा फाउंडेशन द्वारा चिचलिक और बसुहारी गांवों में आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप आज हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। बालक से वीर बालक और संस्कृति से समृद्धि थीम पर आधारित यह शिविर ग्रामीण बच्चों के सर्वांगीण विकास की एक सशक्त पहल साबित हुआ।

कैंप का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आत्म अनुशासन रचनात्मकता नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। हर दिन कुछ नया सीखने की उत्सुकता और सहभागिता ने इन गांवों में एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। कैंप की प्रेरणा रहीं आवादा फाउंडेशन की निदेशक ऋतू

की प्रतिभा और उनके आत्मविश्वास को निखारने का माध्यम बना। समर कैंप के समापन पर दोनों गांवों में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए जिसमें बच्चों ने गीत नाटक लोकनृत्य और समूह प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

अभिभावकों स्थानीय शिक्षकों और पंचायत प्रतिनिधियों ने शिविर की प्रशंसा करते हुए इसे गांव के बच्चों के लिए एक ऐतिहासिक पहल बताया। एक स्थानीय अभिभावक ने भावुक होते हुए कहा ऋतु मैम ने जो सपना देखा था वह इन बच्चों की मुस्कान में साकार होता दिखा। गांव के बच्चों को ऐसा मंच पहली बार मिला है।

चिचलिक में यह शिविर 3 मई से 14 जून तक जबकि बसुहारी में 4 जून से 16 जून तक समर कैंप का आयोजन हुआ। दोनों शिविरों में कुल मिलाकर 200 से अधिक बच्चों ने भाग लिया। बच्चों ने योग ध्यान चित्रकला हस्तशिल्प खेलकूद नृत्य गीत अभिनय और समूह गतिविधियों के माध्यम से अपने भीतर छिपी रचनात्मकता और आत्मविश्वास को उजागर किया।

पटवारी जिनकी सोच ने इस आयोजन को न सिर्फ एक रचनात्मक कार्यक्रम बल्कि बच्चों के जीवन में बदलाव लाने वाली पहल बना दिया।

निदेशक ऋतू पटवारी ने कहा

ग्रामीण भारत की नई पीढ़ी में असीम ऊर्जा है। अगर हम उन्हें सही अवसर और मंच दें तो वे पूरे समाज में बदलाव के वाहक बन सकते हैं। यह समर कैंप बच्चों

इस समर कैंप ने साबित किया कि जब ग्रामीण बच्चों को अवसर मार्गदर्शन और मंच मिलता है तो वे किसी से कम नहीं। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए एक सीखने और खिलने का अवसर बना बल्कि अवादा फाउंडेशन की जनकल्याणकारी सोच को भी ग्रामीण भारत के दिलों तक पहुंचाने में सफल रहा।